



Mr.roshit



Ms.shikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120697702



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर      | कन्या    | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|---------|----------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | शूद्र   | क्षत्रिय | 1   | 0.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | मानव    | चतुष्पाद | 2   | 1.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | विपत    | मित्र    | 3   | 1.50    | --  | भाग्य           |
| योनि   | व्याघ्र | नकुल     | 4   | 2.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | शुक्र   | गुरु     | 5   | 0.50    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | राक्षस  | मनुष्य   | 6   | 0.00    | हाँ | सामाजिकता       |
| भकूट   | तुला    | धनु      | 7   | 7.00    | --  | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | मध्य    | अन्त्य   | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |         |          | 36  | 20.00   |     |                 |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. roshit का वर्ग मृग है तथा Ms. shikha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. roshit और Ms. shikha का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. roshit मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. shikha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. shikha की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. roshit तथा Ms. shikha में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।